Marking Scheme

SUMMATIVE ASSESSMENT – I (2015-16)
Sanskrit (Class – X)

सामान्य निर्देश :

1. अंकन योजना व्यक्तिपरकता को कम करने और एकरूपता बनाए रखने के लिए सामान्य दिशानिर्देश प्रदान करती है । अंकन योजना में दिए गए उत्तर सबसे अच्छे सुझाव वाले उत्तर हैं ।
2. अंकन योजना में दिए गए निर्देशों के अनुसार ही उपयुक्त अंक दिए जाएँ, यह अपनी स्वयं की व्याज़्या या किसी अन्य विचार के अनुसार नहीं किया जाना चाहिए ।
3. वैकल्पिक तरीकों को स्वीकार किया जाए, अनुपात के अनुसार अंक दिए जाएँ ।
4. यदि किसी प्रश्न का उत्तर दो बार दिया गया है और उनमें से कोई भी विद्यार्थी द्वारा काटा नहीं गया है, तब केवल पहले उत्तर को ही जाँचा जाना चाहिए तथा दूसरे पर ''अतिरिक्त'' लिखा जाना चाहिए ।
5. यदि अंक योजना में कोई उत्तर नहीं दिया गया है अथवा दिया गया कोई उत्तर गलत पाया जाता है, तब सही उत्तर ज्ञात कर उसे मूल्यांकन के लिए प्रयोग किया जाए ।

खण्ड : 'क'
अपठित-अवबोधनम् – (10 अङ्काः)

1	**(I)**	(i)	स्वतन्त्रभारतस्य	(ii)	विद्योपार्जनम्		10
	(II)	(i)	छात्रेज़्यः स्वभाविजीवनस्य निर्माणम् सतर्कतया सावधानतया च अपेक्षते।				
		(ii)	ये छात्राः राष्ट्रियदृष्टिकोणात् .....भारभूताः एव भवन्ति।				
	(III)	(i)	(द) विद्यार्थिनाम्	(ii)	(ब) राष्ट्रम्		
		(iii)	(अ) पुरतः	(iv)	(स) छात्रेज़्यः/विद्यार्थिज़्यः		
	(IV)	शीर्षकम्-छात्रः, राष्ट्रनिर्मातारः/छात्रधर्मः/विद्यार्थिनः राष्ट्रं च।					

खण्डः 'ख'
रचनात्मक-कार्यम् – (15 अङ्काः)

2	(i)	मित्र	5
	(ii)	नमस्ते	
	(iii)	एकादश्याम्	

		(iv) जनकेन (v) अगच्छम् (vi) आवाम् (vii) स्वच्छताम् (viii) स्वच्छः (ix) सर्वेज़्यः (x) विपुलः	
	3	चित्रवर्णने अनुच्छेदलेखने वा छात्राः मञ्जूषातःशब्दान् गृहीत्वा पञ्चवाक्यानि लेखिष्यन्ति। प्रतिवाक्यं अङ्कद्वयं भविष्यति। एकः तथ्याय एकः भाषायाःशुद्धतायै।	10
		अथवा	
		चित्रवर्णने अनुच्छेदलेखने वा छात्राः मञ्जूषातःशब्दान् गृहीत्वा पञ्च वाक्यानि लेखिष्यन्ति। प्रतिवाक्यं अङ्कद्वयं भविष्यति। एकः तथ्याय एकः भाषायाःशुद्धतायै।	10
		खण्डः 'ग' **अनुप्रयुक्त व्याकरणम् – (30 अङ्काः)**	
	4	**सन्धिकार्यम्** (i) भानु+उदयम् (ii) शारदाज़्भोजवदना (iii) रविरवदत् (iv) अनु+छेदम् (v) कङ्कणेन	5
	5	**समास प्रयोगाः** – (i) (द) चतुर्युगम् (ii) (ब) रागेण समम् (iii) (स) सकलं ब्रह्माण्डम् (iv) (द) राजादेशम् (v) (अ) पञ्चवटी (vi) (ब) शीतलं सलिलम्	6

6	**प्रकृतिप्रत्यय प्रयोगः –** (i) पठ + अनीयर् (ii) कर्तव्या (iii) श्रद्धा + मतुप् (iv) वर्ष + ठक् (v) लोभी		5
7	**अव्ययपदानि –** (i) एव (ii) नूनम् (iii) अपि (iv) तथा (v) इतस्ततः		5
8	**वाच्यपरिवर्तनम्** (i) आगज़्यते (ii) आगच्छामि (iii) मया (iv) पीयते (v) कथा		5
9	**समयलेखनम्** (i) पादोन–अष्ट (ii) सपाद–नव (iii) पञ्च (iv) सार्ध–एकादश		4
	खण्ड : 'घ' **पठित–अवबोधनम् – 35 अङ्काः**		
10	**I.** (i) वानराणाम् (ii) कपीन् **II.** यत्र गृहे नित्यमकारणः कलहः भवति तत् गृहं दूरतः एव त्यक्तव्यम्। **III.** (i) (स) कपिज़्यः (ii) (अ) यूथपः		5
11	**I.** (i) शारदा (ii) वदनाज़्बुजे **II.** शारदाज़्बभोज इव तस्याः वदनमस्ति। **III.** (i) (स) शारदा (ii) (अ) वदनम्		5

12	**I.** (i) दानशाला:		5
	(ii) दानशीलताम्		
	II. राजा अर्थिनां कृते अन्न-पान-वसन-रजत-सुवर्णादिकानि वस्तूनि प्रदातुम् आदिशत्।		
	III. (i) (द) राज्ञे		
	(ii) (ब) जना:		
13	**I.** (i) चक्षु:	(ii) सत्यं	4
	(iii) दु:खम्	(iv) त्याग:	
	II. (v) कोश:	(vi) व्ययं	
	(vii) सञ्चयं	(viii) नाशम्	
14	(i) सज़्मोहात्	(ii) भवति	4
	(iii) बुद्धिनाश:	(iv) प्रणश्यति	
15	(i) किम्?	(ii) केषाम्?	4
	(iii) कुत्र?	(iv) कम्?/किम्?	
16	(iii) (vii) (i) (viii)	(vi) (iv) (ii) (v)	4
17	(i) (स) कण्टकम्		4
	(ii) (स) ग्रहणीयम्		
	(iii) (ब) प्रवीण:		
	(iv) (स) बहुमूल्यम्		

-o0o0o0o-